UP Board Class 12 Hindi General 2026 (Set 302 BK) Question Paper

General Instructions

(i) This question paper contains 14 questions. All questions are compulsory.

(ii) It has multiple-choice questions as well as questions that need a written answer.

(iii) Attempt every question; detailed solutions are provided in the companion solutions booklet.

1(a). हिन्दी साहित्य का इतिहास लिखने वाले निम्न में से प्रथम विद्वान् हैं

(A) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

(B) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी

(C) गार्सा द तासी और शिव सिंह सेंगर

(D) डॉ० नगेन्द्र

1(b). आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की रचना है

(A) 'कादम्बरी'

(B) 'चिन्तामणि'

(C) 'तारापथ'

(D) 'कुटज'

1(c). 'पंचपरमेश्वर' कहानी के लेखक हैं

(A) जयशंकर प्रसाद

(B) यशपाल

(C) मुंशी प्रेमचन्द

(D) अमरकान्त

1(d). 'अंधेर-नगरी' किस विधा की रचना है?

(A) उपन्यास

(B) कहानी

(C) आत्मकथा

(D) नाटक

1(e). 'गुनाहों का देवता' उपन्यास के रचनाकार हैं

(A) धर्मवीर भारती

(B) केदारनाथ सिंह

(C) प्रेमचन्द

(D) 'अज्ञेय'

2(a). कबीरदास भक्ति काल की किस शाखा से संबन्धित हैं?

(A) सगुण भक्तिधारा

(B) कृष्णमार्गी शाखा

(C) निर्गुण ज्ञानाश्रयी शाखा

(D) मुक्ति काव्य धारा

2(b). 'नीरजा' किसकी रचना है?

(A) जयशंकर प्रसाद की

(B) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' की

(C) सुश्री महादेवी वर्मा की

(D) रामकुमार वर्मा की

2(c). 'रीतिकाल' को किस विद्वान् ने 'कलाकाल' कहा है?

(A) आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

(B) डॉ० नगेन्द्र

(C) डॉ० रामशंकर शुक्ल 'रसाल'

(D) मिश्रबंधु

2(d). 'परिमल' के रचनाकार हैं

(A) जयशंकर प्रसाद

(B) गजानन माधव मुक्तिबोध

(C) 'अज्ञेय'

(D) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

2(e). 'ग्राम्या' किसकी रचना है?

(A) महादेवी वर्मा की

(B) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' की

(C) सुमित्रानंदन पंत की

(D) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की

3(i). *गद्यांश:* पृथ्वी और आकाश के अंतराल में जो कुछ सामग्री भरी है, पृथ्वी के चारों ओर फैले हुए गंभीर सागर में जो जलचर एवं रत्नों की राशियाँ हैं, उन सबके प्रति चेतना और स्वागत के नये भाव राष्ट्र में फैलने चाहिए। राष्ट्र के नवयुवकों के हृदय में उन सबके प्रति जिज्ञासा की नयी किरणें जब तक नहीं फूटतीं तब तक हम सोये हुए के समान हैं। विज्ञान और उद्यम दोनों को मिलाकर राष्ट्र के भौतिक स्वरूप का ठाट खड़ा करना है। यह कार्य प्रसन्नता, उत्साह, और अथक परिश्रम द्वारा नित्य आगे बढ़ाना चाहिए। हमारा यह ध्येय हो कि राष्ट्र में जितने हाथ हैं, उनमें से कोई भी इस कार्य में भाग लिये बिना रीता न रहे।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए।

3(ii). *गद्यांश:* पृथ्वी और आकाश के अंतराल में जो कुछ सामग्री भरी है, पृथ्वी के चारों ओर फैले हुए गंभीर सागर में जो जलचर एवं रत्नों की राशियाँ हैं, उन सबके प्रति चेतना और स्वागत के नये भाव राष्ट्र में फैलने चाहिए। राष्ट्र के नवयुवकों के हृदय में उन सबके प्रति जिज्ञासा की नयी किरणें जब तक नहीं फूटतीं तब तक हम सोये हुए के समान हैं। विज्ञान और उद्यम दोनों को मिलाकर राष्ट्र के भौतिक स्वरूप का ठाट खड़ा करना है। यह कार्य प्रसन्नता, उत्साह, और अथक परिश्रम द्वारा नित्य आगे बढ़ाना चाहिए। हमारा यह ध्येय हो कि राष्ट्र में जितने हाथ हैं, उनमें से कोई भी इस कार्य में भाग लिये बिना रीता न रहे।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

3(iii). *गद्यांश:* पृथ्वी और आकाश के अंतराल में जो कुछ सामग्री भरी है, पृथ्वी के चारों ओर फैले हुए गंभीर सागर में जो जलचर एवं रत्नों की राशियाँ हैं, उन सबके प्रति चेतना और स्वागत के नये भाव राष्ट्र में फैलने चाहिए। राष्ट्र के नवयुवकों के हृदय में उन सबके प्रति जिज्ञासा की नयी किरणें जब तक नहीं फूटतीं तब तक हम सोये हुए के समान हैं। विज्ञान और उद्यम दोनों को मिलाकर राष्ट्र के भौतिक स्वरूप का ठाट खड़ा करना है। यह कार्य प्रसन्नता, उत्साह, और अथक परिश्रम द्वारा नित्य आगे बढ़ाना चाहिए। हमारा यह ध्येय हो कि राष्ट्र में जितने हाथ हैं, उनमें से कोई भी इस कार्य में भाग लिये बिना रीता न रहे।

(iii) राष्ट्रीय चेतना में भौतिक ज्ञान-विज्ञान के महत्त्व को रेखांकित कीजिए।

3(iv). *गद्यांश:* पृथ्वी और आकाश के अंतराल में जो कुछ सामग्री भरी है, पृथ्वी के चारों ओर फैले हुए गंभीर सागर में जो जलचर एवं रत्नों की राशियाँ हैं, उन सबके प्रति चेतना और स्वागत के नये भाव राष्ट्र में फैलने चाहिए। राष्ट्र के नवयुवकों के हृदय में उन सबके प्रति जिज्ञासा की नयी किरणें जब तक नहीं फूटतीं तब तक हम सोये हुए के समान हैं। विज्ञान और उद्यम दोनों को मिलाकर राष्ट्र के भौतिक स्वरूप का ठाट खड़ा करना है। यह कार्य प्रसन्नता, उत्साह, और अथक परिश्रम द्वारा नित्य आगे बढ़ाना चाहिए। हमारा यह ध्येय हो कि राष्ट्र में जितने हाथ हैं, उनमें से कोई भी इस कार्य में भाग लिये बिना रीता न रहे।

(iv) लेखक ने राष्ट्र की सुप्त अवस्था कब तक स्वीकार की है?

3(v). *गद्यांश:* पृथ्वी और आकाश के अंतराल में जो कुछ सामग्री भरी है, पृथ्वी के चारों ओर फैले हुए गंभीर सागर में जो जलचर एवं रत्नों की राशियाँ हैं, उन सबके प्रति चेतना और स्वागत के नये भाव राष्ट्र में फैलने चाहिए। राष्ट्र के नवयुवकों के हृदय में उन सबके प्रति जिज्ञासा की नयी किरणें जब तक नहीं फूटतीं तब तक हम सोये हुए के समान हैं। विज्ञान और उद्यम दोनों को मिलाकर राष्ट्र के भौतिक स्वरूप का ठाट खड़ा करना है। यह कार्य प्रसन्नता, उत्साह, और अथक परिश्रम द्वारा नित्य आगे बढ़ाना चाहिए। हमारा यह ध्येय हो कि राष्ट्र में जितने हाथ हैं, उनमें से कोई भी इस कार्य में भाग लिये बिना रीता न रहे।

(v) विज्ञान और श्रम के संयोग से राष्ट्र प्रगति के पथ पर कैसे अग्रसर हो सकता है?

OR

3(i). *गद्यांश:* न्यूनतम में गुजारा करने और जीवन बिताने में भी कोई हर्ज नहीं है। महात्मा गाँधी ने ऐसा ही जीवन जिया था, लेकिन जैसा कि उनके साथ था, आपके मामले में भी यह आपकी पसंद पर निर्भर करता है। आपकी ऐसी जीवन-शैली इसलिये है क्योंकि इससे वे तमाम जरूरतें पूरी होती हैं जो आपके भीतर की गहराइयों से उपजी होती हैं। लेकिन त्याग की प्रतिमूर्ति बनना और जोर-जबरदस्ती से चुनना-सहने का गुणगान करना अलग बातें हैं।

(i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

3(ii). *गद्यांश:* न्यूनतम में गुजारा करने और जीवन बिताने में भी कोई हर्ज नहीं है। महात्मा गाँधी ने ऐसा ही जीवन जिया था, लेकिन जैसा कि उनके साथ था, आपके मामले में भी यह आपकी पसंद पर निर्भर करता है। आपकी ऐसी जीवन-शैली इसलिये है क्योंकि इससे वे तमाम जरूरतें पूरी होती हैं जो आपके भीतर की गहराइयों से उपजी होती हैं। लेकिन त्याग की प्रतिमूर्ति बनना और जोर-जबरदस्ती से चुनना-सहने का गुणगान करना अलग बातें हैं।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

3(iii). *गद्यांश:* न्यूनतम में गुजारा करने और जीवन बिताने में भी कोई हर्ज नहीं है। महात्मा गाँधी ने ऐसा ही जीवन जिया था, लेकिन जैसा कि उनके साथ था, आपके मामले में भी यह आपकी पसंद पर निर्भर करता है। आपकी ऐसी जीवन-शैली इसलिये है क्योंकि इससे वे तमाम जरूरतें पूरी होती हैं जो आपके भीतर की गहराइयों से उपजी होती हैं। लेकिन त्याग की प्रतिमूर्ति बनना और जोर-जबरदस्ती से चुनना-सहने का गुणगान करना अलग बातें हैं।

(iii) मनुष्य को सदैव किस प्रकार की जीवन शैली अपनानी चाहिए?

3(iv). *गद्यांश:* न्यूनतम में गुजारा करने और जीवन बिताने में भी कोई हर्ज नहीं है। महात्मा गाँधी ने ऐसा ही जीवन जिया था, लेकिन जैसा कि उनके साथ था, आपके मामले में भी यह आपकी पसंद पर निर्भर करता है। आपकी ऐसी जीवन-शैली इसलिये है क्योंकि इससे वे तमाम जरूरतें पूरी होती हैं जो आपके भीतर की गहराइयों से उपजी होती हैं। लेकिन त्याग की प्रतिमूर्ति बनना और जोर-जबरदस्ती से चुनना-सहने का गुणगान करना अलग बातें हैं।

(iv) लेखक के अनुसार किस प्रकार का जीवन व्यतीत करने में परेशानी नहीं है?

3(v). *गद्यांश:* न्यूनतम में गुजारा करने और जीवन बिताने में भी कोई हर्ज नहीं है। महात्मा गाँधी ने ऐसा ही जीवन जिया था, लेकिन जैसा कि उनके साथ था, आपके मामले में भी यह आपकी पसंद पर निर्भर करता है। आपकी ऐसी जीवन-शैली इसलिये है क्योंकि इससे वे तमाम जरूरतें पूरी होती हैं जो आपके भीतर की गहराइयों से उपजी होती हैं। लेकिन त्याग की प्रतिमूर्ति बनना और जोर-जबरदस्ती से चुनना-सहने का गुणगान करना अलग बातें हैं।

(v) लेखक किसे एक दूसरे का विरोधी नहीं मानते हैं?

4(i). *पद्यांश:* कोई प्यारा कुसुम कुम्हला गेह में जो पड़ा हो
तो प्यारे के चरण पर ला डाल देना उसी को
यों देना ऐ पवन बतला फूल सी एक बाला
म्लान हो हो कमल-पग को चूमना चाहती है।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

4(ii). *पद्यांश:* कोई प्यारा कुसुम कुम्हला गेह में जो पड़ा हो
तो प्यारे के चरण पर ला डाल देना उसी को
यों देना ऐ पवन बतला फूल सी एक बाला
म्लान हो हो कमल-पग को चूमना चाहती है।

(ii) प्रस्तुत पद्यांश में राधा ने अपनी तुलना किससे की है?

4(iii). *पद्यांश:* कोई प्यारा कुसुम कुम्हला गेह में जो पड़ा हो
तो प्यारे के चरण पर ला डाल देना उसी को
यों देना ऐ पवन बतला फूल सी एक बाला
म्लान हो हो कमल-पग को चूमना चाहती है।

(iii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

4(iv). *पद्यांश:* कोई प्यारा कुसुम कुम्हला गेह में जो पड़ा हो
तो प्यारे के चरण पर ला डाल देना उसी को
यों देना ऐ पवन बतला फूल सी एक बाला
म्लान हो हो कमल-पग को चूमना चाहती है।

(iv) श्रीकृष्ण के कमलवत चरणों को कौन चूमना चाहता है?

4(v). *पद्यांश:* कोई प्यारा कुसुम कुम्हला गेह में जो पड़ा हो
तो प्यारे के चरण पर ला डाल देना उसी को
यों देना ऐ पवन बतला फूल सी एक बाला
म्लान हो हो कमल-पग को चूमना चाहती है।

(v) राधा पवन-दूतिका से मुरझाए हुए पुष्प के माध्यम से क्या संदेश देना चाहती है?

OR

4(i). *पद्यांश:* मैं नीर भरी दुःख की बदली।
स्पंदन में चिर निस्पंद बसा
क्रंदन में आहत विश्व हँसा
नयनों में दीपक से जलते
पलकों में निर्झरिणी मचली।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का संदर्भ लिखिए।

4(ii). *पद्यांश:* मैं नीर भरी दुःख की बदली।
स्पंदन में चिर निस्पंद बसा
क्रंदन में आहत विश्व हँसा
नयनों में दीपक से जलते
पलकों में निर्झरिणी मचली।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

4(iii). *पद्यांश:* मैं नीर भरी दुःख की बदली।
स्पंदन में चिर निस्पंद बसा
क्रंदन में आहत विश्व हँसा
नयनों में दीपक से जलते
पलकों में निर्झरिणी मचली।

(iii) 'नयनों में दीपक से जलते' में कौन सा अलंकार प्रयुक्त हुआ है?

4(iv). *पद्यांश:* मैं नीर भरी दुःख की बदली।
स्पंदन में चिर निस्पंद बसा
क्रंदन में आहत विश्व हँसा
नयनों में दीपक से जलते
पलकों में निर्झरिणी मचली।

(iv) कवयित्री के निरंतर रुदन का क्या कारण है?

4(v). *पद्यांश:* मैं नीर भरी दुःख की बदली।
स्पंदन में चिर निस्पंद बसा
क्रंदन में आहत विश्व हँसा
नयनों में दीपक से जलते
पलकों में निर्झरिणी मचली।

(v) उपर्युक्त पद्यांश में कवयित्री ने स्वयं को क्या बताया है?

5(a). निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द): **हरिशंकर परसाई**

OR

निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द): **कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'**

OR

निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द): **डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम**

5(b). निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द): **अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'**

OR

निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द): **सुमित्रानंदन पंत**

OR

निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द): **महादेवी वर्मा**

---

6. 'पंचलाइट' अथवा 'ध्रुवयात्रा' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए। (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

OR

'बहादुर' अथवा 'लाटी' कहानी का सारांश लिखिए। (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

7(a). 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए। (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

OR

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर 'गाँधीजी' का चरित्र-चित्रण कीजिए। (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

7(b). 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए। (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

OR

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु को संक्षेप में लिखिए। (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

7(c). 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

OR

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य की कथावस्तु को अपने शब्दों में लिखिये। (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

7(d). 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'राज्यश्री' का चरित्र-चित्रण कीजिए। (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

OR

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग का कथानक लिखिए। (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

7(e). 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर 'दशरथ' का चरित्र-चित्रण कीजिए। (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

OR

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के संदेश सर्ग की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए। (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

7(f). 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'द्रौपदी' का चरित्र-चित्रण कीजिए। (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

OR

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में लिखिए। (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

8(a). दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिये:
संस्कृतसाहित्यस्य आदिकविः वाल्मीकिः, महर्षिव्यासः, कविकुलगुरुः कालिदासः अन्ये च भास-भारवि-भवभूत्यादयो महाकवयः स्वकीयैः ग्रन्थरत्नैः अद्यापि पाठकानां हृदि विराजन्ते । इयं भाषा अस्माभिः मातृसमं सम्माननीया वन्दनीया च यतो भारतमातुः स्वातन्त्र्यं गौरवम् अखण्डत्वं सांस्कृतिकमेकत्वञ्च संस्कृतेनैव सुरक्षितुं शक्यन्ते । इयं संस्कृत भाषा सर्वासुभाषासु प्राचीनतमा श्रेष्ठा चास्ति । ततः सुष्ठूक्तम् भाषासु मुख्या मधुरा दिव्या गिर्वाणभारती इति ।

OR

दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिये:
अथैकः शकुनिः सर्वेषां मध्यादाशयग्रहणार्थं त्रिकृत्वः अश्रावयत् । ततः एकः काकः उत्थाय तिष्ठ तावत्, अस्य एतस्मिन् राज्याभिषेक काले एवं रूपं मुखम् क्रुद्धस्य च कीदृशं भविष्यति ? अनेन हि क्रुद्धेन अवलोकिताः वयं तप्तकटाहे प्रक्षिप्ततिलाः इव तत्र तत्रैव धक्ष्यामः । ईदृशो राजा मह्यं न रोचते इत्याह - न मे रोचते भद्रं व उलूकस्याभिषेचनम् । अक्रुद्धस्य मुखं पश्य कथं क्रुद्धो भविष्यति ॥

8(b). दिये गये श्लोकों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए:
विद्या विवादाय धनं मदाय शक्तिः परेषां परिपीडनाय ।
खलस्य साधोः विपरीतमेतज्ज्ञानाय दानाय च रक्षणाय ॥

OR

दिये गये श्लोकों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए:
न चौरहार्यं न राजहार्यं न भ्रातृभाज्यं न च भारकारि ।
व्यये कृते वर्धत एव नित्यं विद्या धनं सर्वधनप्रधानम् ॥

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए: **नाच न आवै आँगन टेढ़ा**

OR

निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए: **नौ दो ग्यारह होना**

OR

निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए: **आँख दिखाना**

10(i). *अपठित गद्यांश:* इच्छाएं नाना हैं और नाना विधि हैं और वे उसे प्रवृत्त रखती हैं। उस प्रवृत्ति से वह रह-रहकर थक जाता है और निवृत्ति चाहता है। यह प्रवृत्ति और निवृत्ति का चक्र उसको द्वन्द्व से थका मारता है। इस संसार को वह अभी राग-भाव से चाहता है कि अगले क्षण उतने ही भाव-विराग से वह उसका विनाश चाहता है। पर राग-द्वेष की वासनाओं से अंत में झुंझलाइट ही उसे हाथ आती है।

(i) प्रवृत्ति और निवृत्ति के चक्र में फँसा मनुष्य क्यों रुक जाता है?

10(ii). *अपठित गद्यांश:* इच्छाएं नाना हैं और नाना विधि हैं और वे उसे प्रवृत्त रखती हैं। उस प्रवृत्ति से वह रह-रहकर थक जाता है और निवृत्ति चाहता है। यह प्रवृत्ति और निवृत्ति का चक्र उसको द्वन्द्व से थका मारता है। इस संसार को वह अभी राग-भाव से चाहता है कि अगले क्षण उतने ही भाव-विराग से वह उसका विनाश चाहता है। पर राग-द्वेष की वासनाओं से अंत में झुंझलाइट ही उसे हाथ आती है।

(ii) प्रेम और ईर्ष्या की वासनाओं में पड़कर मनुष्य की स्थिति कैसी हो जाती है?

10(iii). *अपठित गद्यांश:* इच्छाएं नाना हैं और नाना विधि हैं और वे उसे प्रवृत्त रखती हैं। उस प्रवृत्ति से वह रह-रहकर थक जाता है और निवृत्ति चाहता है। यह प्रवृत्ति और निवृत्ति का चक्र उसको द्वन्द्व से थका मारता है। इस संसार को वह अभी राग-भाव से चाहता है कि अगले क्षण उतने ही भाव-विराग से वह उसका विनाश चाहता है। पर राग-द्वेष की वासनाओं से अंत में झुंझलाइट ही उसे हाथ आती है।

(iii) व्यक्ति को जीवन में कौन-सा द्वन्द्व थका देता है?

OR

10(i). *अपठित गद्यांश:* आज के अनेक आर्थिक और सामाजिक विधानों की हम जाँच करें तो पता चलेगा कि वे हमारी सांस्कृतिक चेतना के क्षीण होने के कारण युगानुकूल परिवर्तन की कमी से बनी हुई रूढ़ियों के साथ संघर्ष की परिस्थिति से उत्पन्न माँग को पूरा करने के लिये अपनाये गये उपाय या अन्य द्वारा थोपी गई या उनका अनुकरण का स्वीकार की गई व्यवस्थाएँ मात्र है। भारतीय संस्कृति के नाम पर उन्हें जिन्दा रखा जा सकता है।

(i) युगानुरूप परिवर्तन एवं विकास न होने का क्या कारण है?

10(ii). *अपठित गद्यांश:* आज के अनेक आर्थिक और सामाजिक विधानों की हम जाँच करें तो पता चलेगा कि वे हमारी सांस्कृतिक चेतना के क्षीण होने के कारण युगानुकूल परिवर्तन की कमी से बनी हुई रूढ़ियों के साथ संघर्ष की परिस्थिति से उत्पन्न माँग को पूरा करने के लिये अपनाये गये उपाय या अन्य द्वारा थोपी गई या उनका अनुकरण का स्वीकार की गई व्यवस्थाएँ मात्र है। भारतीय संस्कृति के नाम पर उन्हें जिन्दा रखा जा सकता है।

(ii) भारतीय सांस्कृतिक चेतना के कमजोर होने का मुख्य कारण क्या है?

10(iii). *अपठित गद्यांश:* आज के अनेक आर्थिक और सामाजिक विधानों की हम जाँच करें तो पता चलेगा कि वे हमारी सांस्कृतिक चेतना के क्षीण होने के कारण युगानुकूल परिवर्तन की कमी से बनी हुई रूढ़ियों के साथ संघर्ष की परिस्थिति से उत्पन्न माँग को पूरा करने के लिये अपनाये गये उपाय या अन्य द्वारा थोपी गई या उनका अनुकरण का स्वीकार की गई व्यवस्थाएँ मात्र है। भारतीय संस्कृति के नाम पर उन्हें जिन्दा रखा जा सकता है।

(iii) 'परिस्थिति' एवं 'सांस्कृतिक' शब्दों का भाव स्पष्ट कीजिए।

11(a)(i). निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए: तुरंग-तरंग -

(A) हाथी और घोड़ा

(B) घोड़ा और लहर

(C) कर्कश और ध्वनि

(D) विष और हलचल

11(a)(ii). निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए: कंगाल-कंकाल -

(A) पक्षी और मृत शरीर

(B) हड्डी और कंगन

(C) निर्धन और अस्थिपंजर

(D) स्वरूप और भूखा

11(b). निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो सही अर्थ लिखिए: **मंगल**

OR

निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो सही अर्थ लिखिए: **मित्र**

OR

निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो सही अर्थ लिखिए: **विधि**

OR

निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो सही अर्थ लिखिए: **द्विज**

11(c)(i). निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही शब्द का चयन करके लिखिए: ईश्वर में विश्वास करने वाला -

(A) पुजारी

(B) संन्यासी

(C) आस्तिक

(D) कर्मठ

11(c)(ii). निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही शब्द का चयन करके लिखिए: जो सब कुछ जानता हो -

(A) ज्ञाता

(B) विद्वान्

(C) सर्वज्ञ

(D) नीतिज्ञ

11(d)(i). निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए: आपका आर्शीवाद चाहिए।

11(d)(ii). निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए: चाचाजी की दशा सोचनीय है।

11(d)(iii). निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए: मोहन मेरा कनिष्ठ भ्राता है।

11(d)(iv). निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए: राम की पितार्भक्ति अनुकरणीय है।

12(a). 'शांत' रस अथवा 'हास्य' रस का लक्षण सहित एक उदाहरण लिखिए।

12(b). 'उपमा' अलंकार अथवा 'संदेह' अलंकार का लक्षण एवं एक उदाहरण लिखिए।

12(c). 'चौपाई' छन्द अथवा 'सोरठा' छन्द का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए।

13. दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित विज्ञापन के आधार पर संबन्धित कॉलेज में 'कम्प्यूटर ऑपरेटर' के पद पर नियुक्ति हेतु उस कॉलेज के प्रबन्धक को आवेदन पत्र लिखिये जिसमें अपनी शैक्षिक योग्यता का भी उल्लेख हो।

OR

अपने गाँव में फर्जी राशन कार्डों की जाँच हेतु जिला पूर्ति अधिकारी को एक शिकायती पत्र लिखिए।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए:
नयी शिक्षा नीति 2020 की विशेषताएँ

OR

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए:
आतंकवाद की समस्या और समाधान

OR

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए:
बेरोजगारी की समस्या और समाधान

OR

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए:
पर्यावरण संरक्षण का महत्त्व

OR

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए: **जीवन में वृक्षारोपण का महत्त्व**